राष्ट्रीय संस्करण

CopyRight - Jagran.com

हिना सिद्धू बोलीं, शूटिंग के साथ खड़े होने की जरूरत
>> 12

वर्ष 3 अंक 49

दैनिक जागरण

मूल्य ₹5.00, नई दिल्ली, सोमवार, 29 जुलाई 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 14

सरोकार

पीएम आज जारी करेंगे बाघों की सही संख्या पर रिपोर्ट

नई दिल्ली : विश्व बाघ दिवस के मौके पर सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश भर में बाघों को लेकर कराई गई गणना से जुड़ी रिपोर्ट जारी करेंगे, जिसमें बाघों की बढ़ी और सही संख्या की जानकारी सामने आ सकती है। इससे पहले बाघों की गणना को लेकर सरकार वर्ष 2006, 2010 और 2014 में रिपोर्ट जारी कर चुकी है। देश में बाघों के संरक्षण का यह काम राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की देखरेख में ही चल रहा है।

घटते दायरे व बढ़ते संघर्ष के बीच बढ़ रहा बाघों का कुनबा

पीलीभीत : उत्तर प्रदेश में 73 हजार हेक्टेयर में फैले पीलीभीत के जंगलों को जून 2014

में टाइगर रिजर्व घोषित किया गया था। अब यह बाघों के लिए 'बहार' का सबब बन रहा है। इंसानों से संघर्ष भी बढ़ा है, बावजूद इसके बाघों की संख्या यहां गत वर्ष के 54 के मुकाबले 65 हो गई है। (पेज-13)

जागरण विशेष

अब तो विदेशी भी इनके साथ सेल्फी लेकर जाते हैं

करनाल : हरियाणवी किसान जगत राम की दुनिया दीवानी है। जी हां, विदेश भी इनसे

सीख लेने के लिए आते हैं। खुद आदिवासियों से सीखकर जड़ों की ओर लौटे जगत राम ने लुप्त बीजों को पुनर्जीवित किया और अपने खेतों को अनूठी प्रयोगशाला में तब्दील कर दिया। (पेज-13)

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▸ पृष्ठ 3

सरहद पार पहली बार श्रीलंका में जांच करेगी एनआइए

नई दिल्ली : भारत की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) पहली बार सरहद पार श्रीलंका में ईस्टर पर हुए बम धमाकों की जांच कर सकती है। यह संसद द्वारा राष्ट्रीय अन्वेषण अधिकरण संशोधन बिल को मंजूरी मिलने से संभव हो सका है। ज्ञात हो, 21 अप्रैल 2019 को श्रीलंका में हुए हमलों में 250 लोगों की मौत हुई थी।

नेशनल न्यूज ▸ पृष्ठ 6

बारामुला में चार व्यापारियों के घर एनआइए के छापे

जम्मू : कश्मीर में आतंकी और अलगाववादी गतिविधियों के लिए पाक समेत विभिन्न देशों से धन की आपूर्ति व उसके रास्तों का पता लगाने के लिए एनआइ है। एक सप्ताह में दूसरी बार रविवार को एनआइए ने बारामुला के चार व्यापारियों के घर खंगाले।

स्पोर्ट्स ▸ पृष्ठ 12

कॉमनवेल्थ गेम्स के बहिष्कार की दिशा में बढ़ा भारत

नई दिल्ली : भारत 2022 में इंग्लैंड के बर्मिंघम में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स के बहिष्कार की दिशा में एक कदम आगे बढ़ गया है। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ ने कहा कि वह भारतीय ओलंपिक संघ के कॉमनवेल्थ गेम्स के बहिष्कार के प्रस्ताव का समर्थन करता है।

विश्वास मत से एक दिन पहले और 14 बागी विधायक अयोग्य घोषित

बेंगलुरु, प्रेट्र : कर्नाटक की सियासत में रविवार को एक और ट्विस्ट आया और मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के विश्वास मत हासिल करने से ठीक एक दिन पहले स्पीकर केआर रमेश कुमार ने और 14 बागी विधायकों को अयोग्य ठहरा दिया। ये विधायक अब मौजूदा विधानसभा के कार्यकाल (2023 तक) विधानसभा का उपचुनाव भी नहीं लड़ सकेंगे। येदियुरप्पा को सोमवार को विधानसभा में अपना बहुमत साबित करना है।

स्पीकर रमेश कुमार ने रविवार को आनन-फानन में प्रेस कांफ्रेंस बुलाकर कांग्रेस के 11 और जदएस के तीन विधायकों को विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य ठहराने की घोषणा कर दी। इसके साथ ही अयोग्य ठहराए गए विधायकों की संख्या 17 हो गई है। कांग्रेस के दो विधायकों और एक निर्दलीय विधायक पहले ही अयोग्य ठहराए जा चुके हैं।

स्पीकर ने कहा कि कांग्रेस और जदएस ने इन विधायकों को अयोग्य ठहराने की अपील की थी। ये विधायक पार्टी ह्विप के बावजूद मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी के विश्वासमत प्रस्ताव के समय मतदान से दूर रहे थे। हालांकि, इन विधायकों ने इस्तीफा दे दिया था, लेकिन उस पर फैसला नहीं हुआ था। रमेश कुमार ने यह भी कहा कि बागी विधायकों ने उनके सामने पेश होने के लिए चार हफ्ते का समय मांगा था, जिसे उन्होंने ठुकरा दिया। स्पीकर ने कहा कि उन्होंने अपने विवेक से यह फैसला किया है...वह इससे 100 फीसद दुखी भी हैं।

स्पीकर ने 25 जुलाई को तीन विधायकों को अयोग्य ठहराते समय ही स्पष्ट कर दिया था कि दलबदल कानून के तहत अयोग्य ठहराए गए विधायक मौजूदा विधानसभा के कार्यकाल यानी 2023 तक चुनाव नहीं लड़ सकते हैं।

बेंगलुरु में रविवार को बागी विधायकों को अयोग्य घोषित करने की जानकारी देते विस अध्यक्ष केआर रमेश कुमार। प्रेट्र

अयोग्य ठहराए गए विधायक 2023 तक नहीं लड़ सकेंगे चुनाव, येदियुरप्पा आज साबित करेंगे बहुमत

संख्या : 224 (स्पीकर के अलावा)

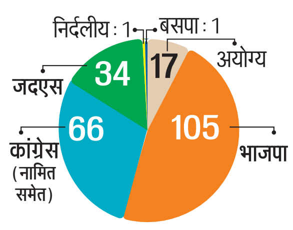

बहुमत के लिए जरूरत : 104 विधायक

फैसले का क्या होगा असर

बेंगलुरु : कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष द्वारा कुल 17 विधायकों को अयोग्य ठहराने के फैसले से येदियुरप्पा सरकार पर कोई असर नहीं पड़ने वाला है। स्पीकर को छोड़कर विधानसभा में कुल सदस्यों की संख्या 224 है। 17 विधायकों अयोग्य ठहराने के बाद कुल संख्या 207 हो गई है। बहुमत साबित करने के लिए 104 विधायकों की जरूरत है। जबकि, भाजपा के 105 विधायक हैं और उसे एक निर्दलीय विधायक का समर्थन भी मिला है।

हालांकि, विधानसभा को भंग किया जाता है तो नए सिरे से होने वाले चुनाव में ये विधायक शामिल जरूर हो सकते हैं।

स्पीकर द्वारा अचानक विधायकों को अयोग्य ठहराने के फैसले पर सवाल उठने लगे हैं। इसे भाजपा के उस रूख से जोड़कर देखा जा रहा है जिसमें पार्टी ने रमेश कुमार से पद छोड़ने को कहा है। भाजपा का कहना है कि स्पीकर सत्तारूढ़ पार्टी का ही होता है। अगर रमेश कुमार पद नहीं छोड़ेंगे तो अविश्वास प्रस्ताव लाया जाएगा। इस सवाल पर रमेश कुमार ने कहा कि प्रस्ताव आने के बाद देखा जाएगा।

रमेश कुमार ने कहा कि मौजूदा सियासी घटनाक्रम के चलते उन पर बहुत ज्यादा मानसिक दबाव था। उनके डिप्रेशन में जाने की स्थिति पैदा हो गई थी। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें बसपा से निकाले गए विधायक महेश के खिलाफ भी शिकायत मिली है, जो कुमारस्वामी सरकार के विश्वासमत प्रस्ताव के समय सदन में मौजूद नहीं थे, जबकि पार्टी ने उन्हें सरकार के पक्ष में मतदान करने को कहा था।

अयोग्य ठहराए गए कांग्रेस के विधायकों में प्रताप गौड़ा पाटिल, बी सी पाटिल, शिवाराम हैब्बर, एसटी सोमाशेखर, बी बसवराज, आनंद सिंह, रोशन बेग, मुनिरत्ना, के सुधाकर, एमटीबी नागराज और श्रीमंत पाटिल शामिल हैं। कांग्रेस के दो विधायकों रमेश जरकिहोली, महेश कुमाथली और निर्दलीय आर शंकर को स्पीकर ने गुरुवार को ही अयोग्य ठहरा दिया था।

रविवार को अयोग्य ठहराए गए विधायकों में जदएस के तीन विधायक हैं, जिनके नाम क्रमशः गोपालैया, एएच विश्वनाथ और नारायण गौड़ा है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने बागी विधायकों की याचिका पर पिछले बुधवार को दिए अपने आदेश में कहा था कि उनके इस्तीफे पर स्पीकर सही समय पर कोई भी फैसला लेने के लिए स्वतंत्र हैं।

भाजपा ने फैसले को गलत बताया पेज>>4

कश्मीर में बम-बंदूक पर भारी विकास

पीएम बोले ▸ आतंकियों-अलगाववादियों की समाज में घृणा व हिंसा फैलाने की मंशा सफल नहीं होगी

बोले, विकास की मुख्य धारा से जुड़ने को बेताब हैं कश्मीर के लोग

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

कश्मीर में अतिरिक्त सैन्य बलों की तैनाती पर विभिन्न सियासी दलों की बयानबाजी के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिर से स्पष्ट किया है कि केंद्र सरकार का पूरा जोर शांति और विकास पर है। रेडियो पर प्रसारित अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' में पीएम ने आतंकियों और अलगाववादियों को भी संदेश दिया कि घृणा और हिंसा की उनकी मंशा सफल नहीं होगी। जम्मू-कश्मीर में चलाए जा रहे 'बैक टू विलेज' कार्यक्रम की सफलता का ब्योरा देते हुए उन्होंने कहा कि 'कश्मीर के लोग विकास की मुख्यधारा से जुड़ने को बेताब हैं।'

ज्ञात हो, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की पहल पर राज्य में बैक टू विलेज कार्यक्रम की पहल की गई है, जिसके तहत राज्य के आला अफसर सुदूर गांवों का दौरा करते हैं। गांव वालों की दिक्कतों व मुश्किलों को समझकर वहीं उनका समाधान करते हैं। ग्राम पंचायतों को मजबूत बनाने के साथ लोगों की आमदनी बढ़ाने के उपायों पर विचार किया जा रहा है। पीएम ने शोपियां निवासी मुहम्मद असलम का हवाला दिया जिन्होंने मोदी को संदेश भेजा था। पीएम ने कहा, कश्मीर के लोग राज्य में सुशासन चाहते हैं। इससे यह भी सिद्ध होता है कि 'विकास की शक्ति बम और बंदूक पर हमेशा भारी पड़ती है। जो विकास की राह में नफरत फैलाना चाहते हैं, अवरोध पैदा करते हैं वो कभी अपने नापाक इरादों में कामयाब नहीं हो सकते।'

जल संरक्षण पर जोर : मोदी ने अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत में ही जल संरक्षण के प्रति उच्च प्रतिबद्धता जाहिर की थी। स्वच्छता की तरह अब इसे भी बड़ा अभियान बनाने की कोशिश शुरू हो गई है। उन्होंने कहा, जल संरक्षण जैसे विषय ने हिंदुस्तान के लोगों के दिलों को झकझोर दिया है। जल संरक्षण को लेकर देशभर में अनेक प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। मेघालय देश का पहला राज्य है, जिसने अपनी जल नीति तैयार की है। मीडिया की सराहना करने के अंदाज में कहा, जल संरक्षण पर कई इनोवेटिव अभियान शुरू किए गए हैं। गैर सरकारी संगठनों तक में युद्ध स्तर पर कुछ न कुछ हो रहा है। मोदी ने झारखंड के ओरमांझी प्रखंड के आरा केरम गांव के लोगों के जल प्रबंधन के प्रति हौसले को सराहा। यहां श्रमदान से झरने की दिशा तय की गई है। इस कार्य से जहां मिट्टी का कटाव रुका, वहीं फसल की बर्बादी भी बंद हुई है। जल संरक्षण के लिए हरियाणा सरकार को भी बधाई दी है। यहां अधिक पानी वाली फसलों की खेती से किसान तौबा करने लगे हैं।

बच्चों को चंद्रयान-2 की लैंडिंग देखने का मिलेगा मौका : पीएम ने चंद्रयान-2 मिशन से युवाओं के जुड़ाव का भी जिक्र किया और उन्हें चंद्रयान-2 की चंद्रमा पर लैंडिंग देखने के लिए शुरू की गई प्रतियोगिता की जानकारी दी, जिसमें सबसे ज्यादा अंक पाने वाले छात्रों को सरकार श्रीहरिकोटा ले जाएगी। एक अगस्त से शुरू होने वाली इस प्रतियोगिता में पीएम ने छात्रों से शामिल होने की अपील की। क्विज के मुख्य विषय भी राकेट व अंतरिक्ष से जुड़े होंगे, जैसे रॉकेट लांच करने के लिए क्या-क्या करना पड़ता है, सैटेलाइट को कक्षा में कैसे पहुंचाया जाता है आदि। मोदी ने चंद्रयान-2 मिशन की सफलता का जिक्र करते हुए कहा, इससे मुझे दो बड़ी सीख मिली है, पहला विश्वास और दूसरा निर्भीकता। हमें अपनी प्रतिभा और क्षमता पर भरोसा रखना चाहिए। साथ ही किसी भी व्यवधान से कभी घबराना नहीं चाहिए।

जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव की भाजपा की तैयारी शुरू पेज>>4

मन की बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' में कहा कि कश्मीर के विकास में बाधक बनने वाले सफल नहीं होंगे। जागरण आर्काइव

ये भी कहा

- 15 अगस्त को आजादी का जश्न नए तरीके से मनाएं। विशेष तैयारियों के साथ आजादी के त्योहार में बड़ी संख्या में करें शिरकत
- स्वच्छ भारत अभियान से अब सौंदर्यीकरण की तरफ बढ़ने का समय। अमेरिका से लौट कर स्ट्रीट आर्ट के जरिए सौंदर्यीकरण में जुटे योगेश सैनी प्रशंसा के पात्र
- बाढ़ प्रभावित लोगों को हर संभव मदद देंगे। लोगों को तत्काल राहत पहुंचाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर कर रही हैं काम

आतंकी हमले के खतरे को देखते हुए कश्मीर में अतिरिक्त बल की तैनाती

- बड़े आतंकी हमले की योजना बना रहे हैं पाक समर्थित आतंकी समूह
- एनएसए डोभाल ने की समीक्षा बैठक के बाद जवानों की तैनाती का फैसला

नई दिल्ली, एएनआइ : पाकिस्तान स्थित आतंकी समूह कश्मीर घाटी में बड़ा हमला करने की फिराक में हैं। आतंकियों और उनके आका के मंसूबों को नाकाम करने के लिए ही सरकार ने कश्मीर घाटी में अतिरिक्त जवानों को भेजा है। सरकारी सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी।

शीर्ष सरकारी सूत्रों ने बताया कि आतंकी हमले के बारे में इनपुट मिलने के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद निरोधक ग्रिड के अधिकारियों के साथ बैठकर कश्मीर घाटी में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। एनएसए के आकलन के बाद ही सरकार ने वहां अतिरिक्त जवानों की तैनाती की जरूरत महसूस की। एनएसए डोभाल राज्य के हालात पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों को आतंकी हमले के इनपुट मिले थे। सुरक्षा बलों ने भी इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि पाक सेना समर्थित आतंकी गुट कश्मीर घाटी में हमले की योजना बना रहे हैं, जिससे अर्धसैनिक बलों की 100 कंपनियां वहां तैनात की गई हैं।

सूत्रों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर में पंचायत चुनाव की सफलता और शांतिपूर्ण ढंग से चल रही अमरनाथ यात्रा में रिकॉर्ड संख्या में तीर्थयात्रियों के शामिल होने से आतंकवादी, उनके पाकिस्तानी आका और पाक सेना की खुफिया एजेंसी आइएसआइ तिलमिला गई है। इसलिए ये तीनों ही बड़े हमले की योजना बना रहे हैं। आशंका है कि इन तीनों की साजिश और योजना के तहत ही शनिवार को लंबे समय के बाद आतंकवादियों ने माछिल सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश की। लेकिन सेना और सीआरपीएफ के चौकस जवानों ने उनके मंसूबे नाकाम कर दिए।

अनुच्छेद 35ए से छेड़छाड़ बारूद को हाथ लगाने जैसा

श्रीनगर : जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने केंद्र सरकार को चेतावनी दी है कि अनुच्छेद 35ए के साथ छेड़छाड़ करना बारूद को हाथ लगाने के बराबर होगा। उन्होंने कहा कि जो हाथ 35-ए के साथ छेड़छाड़ करने के लिए उठेंगे वो हाथ ही नहीं सारा जिस्म जलकर राख हो जाएगा। (पेज-3)

उन्नाव दुष्कर्म पीड़िता की कार में रायबरेली में ट्रक ने मारी टक्कर, दो महिलाओं की मौत

जागरण संवाददाता, रायबरेली

- पीड़िता की हालत नाजुक, जेल में बंद चाचा से मिलने जाते वक्त हुई घटना
- इसी मामले में जेल में हैं उन्नाव से भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर

उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के माखी गांव के चर्चित दुष्कर्म मामले की पीड़िता की कार को रविवार को रायबरेली में एक ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में पीड़िता की चाची की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से जख्मी पीड़िता, उसके वकील समेत तीन लोगों ट्रॉमा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया, जहां एक महिला की और मौत हो गई है। पीड़िता के चाचा रायबरेली जेल में बंद हैं। रविवार को ये सभी लोग उनसे मिलने जा रहे थे। ज्ञात हो, दुष्कर्म मामले में भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर जेल में बंद हैं।

जानकारी के अनुसार, दिन में करीब एक बजे तेज बारिश हो रही थी। इसी दौरान लालगंज (रायबरेली) की ओर से जा रहे ट्रक (यूपी 71 एटी 8300) और विपरीत दिशा से आ रही सफेद रंग की कार (डीएल 1 सीएल 8642) में टक्कर हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बारिश के कारण तीखे मोड़ पर ट्रक चालक विपरीत दिशा से आ रही कार को देख वाहन काबू में नहीं कर सका। वहीं कार अपनी लाइन में घिसटते हुए ट्रक से टकरा गई।

नंबर पर पोती गई थी ग्रीस : यूपी 71 एटी 8300 यही नंबर प्लेट ट्रक के आगे और पीछे अंकित है, मगर दोनों ओर उसे ग्रीस से पोता गया था, ताकि नंबर छिपा रहे। अब यह किन कारणों से किया गया, आरटीओ के डर या फिर कोई और कारण। यह तो पुलिस तफ्तीश में सामने आ पाएगा।

फतेहपुर का है ड्राइवर : ट्रक ड्राइवर देर शाम पुलिस के हत्थे चढ़ गया। थानाध्यक्ष राकेश सिंह ने बताया कि फतेहपुर का आशीष पाल ट्रक चला रहा था। यह पूछे जाने पर कि क्या ड्राइवर ने शराब पी रखी थी तो उन्होंने कहा, ऐसा कुछ लगा नहीं। यह पूछने पर कि ड्राइवर को कहां से पकड़ा थाानाध्यक्ष ने मोबाइल स्विच ऑफ कर दिया। वहीं, मौके पर छानबीन कर रहे एसपी सुनील कुमार सिंह ने कहा, प्रथम दृष्टया तो यह मार्ग दुर्घटना लग रही है। एक्सपर्ट टीम लखनऊ से आ रही है। उसके बाद ही स्थिति साफ हो सकेगी।

अखिलेश बोले, हादसे की सीबीआइ जांच हो : सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा, ट्रक-कार भिड़ंत को बड़ी साजिश है। पीड़िता की हत्या की आशंका जताते हुए उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले की सीबीआइ जांच होनी चाहिए।

कांग्रेस के सभी प्रमुख पदों पर हों चुनाव : थरूर

- बोले, कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए प्रियंका गांधी सबसे उपयुक्त
- पार्टी में नेतृत्व को लेकर स्पष्टता की कमी पार्टी को पहुंचा रही है नुकसान

नई दिल्ली, प्रेट्र : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने कहा कि पार्टी में मजबूती के लिए सभी प्रमुख पदों पर चुनाव होने चाहिए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के इस्तीफे के बाद नेतृत्व को लेकर 'स्पष्टता की कमी' पार्टी को नुकसान पहुंचा रही है। थरूर ने यह भी कहा कि पार्टी अध्यक्ष पद के लिए प्रियंका गांधी वाड्रा सबसे उपयुक्त नेता हैं।

रविवार को एक साक्षात्कार में थरूर ने कहा, पार्टी में जान डालने के लिए कार्यसमिति सहित पार्टी के सभी महत्वपूर्ण पदों के लिए चुनाव होने चाहिए। इससे इनमें चुने जाने वाले नेताओं की स्वीकार्यता बढ़ेगी। उन्होंने कहा, 'कार्यसमिति पार्टी के लिए एक अंतरिम कार्यकारी अध्यक्ष का नाम बताए और फिर इसे भंग कर दें। इसके बाद कार्यसमिति समेत पार्टी के भीतर मुख्य नेतृत्व पदों के ताजा चुनाव हों।' एआइसीसी और पीसीसी से लिए गए नेताओं को यह तय करने का अधिकार हो कि इन अहम पदों में से कौन पार्टी का नेतृत्व करेगा। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रक्रिया एक स्वस्थ परंपरा होगी और भावी अध्यक्ष के हाथ को और मजबूत करेगी।

शशि थरूर फाइल फोटो

तिरुवनंतपुरम से पार्टी के सांसद थरूर ने पार्टी की मौजूदा स्थिति पर असंतोष जताया और कहा कि कांग्रेस जिन हालात से गुजर रही है उसका अभी कोई स्पष्ट जवाब नहीं है। उन्होंने कहा, 'यह बिल्कुल सही बात है कि पार्टी के शीर्ष पद पर स्पष्टता की कमी संभवतः कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों को नुकसान पहुंचा रही है।'

कंजर्वेटिव पार्टी की शैली में हो चुनाव : थरूर ने पार्टी अध्यक्ष पद पर चुनाव कराने के लिए ब्रिटेन की कंजर्वेटिव पार्टी की शैली अपनाने का सुझाव दिया जिससे पार्टी में राष्ट्रीय दिलचस्पी बढ़ सकती है तथा वह एक बार फिर और ज्यादा मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित कर सकती है।

मैं अध्यक्ष पद की दौड़ में नहीं : पार्टी अध्यक्ष पद के लिए खुद की उम्मीदवारी के सवाल पर 63 वर्षीय थरूर ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं लगता कि इस मुद्दे पर अटकलें लगाने की दूर-दूर तक भी कोई संभावना है। मैं संगठन में वरिष्ठ पद जैसे महासचिव जैसे पद पर कभी नहीं रहा। पार्टी सदस्य के रूप में मैं अपनी भूमिका से खुश हूं।' बता दें कि राहुल गांधी ने 25 मई को कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि पार्टी कार्यसमिति ने अभी तक उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया।

प्रियंका गांधी में है नेचुरल करिश्मा : पेज>>3

नापाक पड़ोसी

सैन्य प्रवक्ता आसिफ गफूर ने भारतीय वायुसेना के पूर्व अफसर के चार साल पुराने वीडियो को जोड़ा बालाकोट से, सोशल मीडिया पर उड़ा मजाक, एक ट्विटर यूजर ने लिखा, 'आप 'शेखी बघारने' की असाध्य बीमारी के प्रचार में कोई कसर नहीं छोड़ रहे'

दुष्प्रचार में फंसे पाक सैन्य अफसर ने मांगी माफी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

बालाकोट हमले से दुनिया में हुई किरकिरी को पाकिस्तान अब तक पचा नहीं पा रहा है। हमले के करीब पांच माह बाद भी वह दुष्प्रचार में लगा हुआ है। उसे इस मोर्चे पर भी बार-बार मुंह की खानी पड़ रही है। रविवार को उसने फिर ऐसी ही हरकत की, जिसके लिए न सिर्फ उसे शर्मसार होना पड़ा, बल्कि पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल आसिफ गफूर को माफी तक मांगनी पड़ी।

भारतीय वायु सेना के जांबाज जवानों ने 26 फरवरी को तड़के पाकिस्तान के बालाकोट में जैश-ए-मुहम्मद के आतंकी ठिकाने को ध्वस्त किया था। इससे तिलमिलाए पाक ने 27 फरवरी को अमेरिकी एफ-16 समेत कई लड़ाकू विमानों को भारत के सैन्य ठिकानों पर हमले के लिए भेजा था, लेकिन वायु सेना के विंग कमांडर अभिनंदन वर्तमान ने मिग-21 से पाक सेना के एफ-16 को मार गिराया था। अभिनंदन का विमान भी दुर्घटनाग्रस्त हो गया था और वो पाक की सीमा में गिरे थे। पाक ने उन्हें बंधक बना लिया था, पर 48 घंटे के भीतर ही सुरक्षित छोड़ना पड़ा था।

मेजर जनरल अब्दुल गफूर फाइल फोटो

बावजूद इसके पाकिस्तान सेना इसे अपनी जीत बताने के लिए झूठ बोले जा रही है। इसी कड़ी में पाक सेना के प्रवक्ता आसिफ गफूर ने रविवार सुबह यू ट्यूब चैनल पर भारतीय वायु सेना के एक पूर्व अधिकारी के वीडियो को यह कहते हुए शेयर किया कि इससे साबित होता है कि भारत को बालाकोट में शिकस्त का सामना करना पड़ा, लेकिन जल्द ही यह साबित हो गया कि यह वीडियो चार वर्ष पुराना था, जिसे नौ अगस्त 2015 को 1962 व 1965 की लड़ाई पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान रिकॉर्ड किया गया था।

गफूर ने पहले यहां तक दावा किया कि भारतीय वायु सेना के पूर्व अधिकारी स्वीकार रहे हैं कि उनके देश की सेना को बालाकोट हमले के अगले दिन 27 फरवरी, 2019 को पाक वायु सेना की कार्रवाई में नाकामी हाथ लगी थी। यह अधिकारी सेवानिवृत एयर मार्शल डेंजल किलर थे जो एक पुराने घटनाक्रम के बारे में बता रहे थे। उस वीडियो में उन्होंने भारत-पाक की वायु सेनाओं की ताकत का जिक्र किया था। लेकिन गफूर ने उस वीडियो के एक छोटे से अंश को निकाल कर इस तरह से पेश किया कि किलर पाक सेना की ताकत व उनकी क्षमता का गुणगान कर रहे हैं। बाद में जब भारतीयों ने उन्हें याद दिलाया कि यह वीडियो ना सिर्फ पुराना है बल्कि उसका संदर्भ दूसरा है और उसे एडिट किया गया है। तब गफूर ने देर शाम ट्वीट किया कि एयर मार्शल की स्वीकारोक्ति और बालाकोट का घटनाक्रम इतना समान था कि विभेद करना मुश्किल हो गया। उन्होंने लोगों से माफी भी मांगी, लेकिन अंत में यह लिखना नहीं भूले कि भारतीय वायु सेना के लिए हालात नहीं बदले हैं।

गफूर ने भले ही गलती मान ली, लेकिन ट्विटर पर उनका खूब मजाक उड़ा। एक यूजर ने लिखा 'गफूर कल यह दावा करेंगे कि वो चांद पर उतरे हैं।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'आप 'शेखी बघारने' की अपनी असाध्य बीमारी का प्रचार करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे।'

दरअसल, बेसिर पैर के ट्वीट करना गफूर की आदत है। एक तरफ जहां पड़ोसी देश के दो प्रमुख दल पीपीपी और पीएमएल लगातार पाक सेना पर इस बात के लिए हमला कर रहे हैं कि उसने पीएम इमरान खान के तौर पर अपना नुमाइंदा बिठा रखा है। इसकी काट के लिए गफूर ट्वीट के जरिए वहां लगातार राष्ट्रवादी भावनाओं को भड़काने में लगे हैं। इसके लिए उन्हें झूठी सूचनाओं को पेश करने से भी परहेज नहीं है। झूठ को सच बताने की गफूर की साजिश का पता इससे चलता है कि रविवार को जो ट्वीट उन्होंने किया है उसके बारे मे पिछले मंगलवार (23 जुलाई) को संकेत दिया था। तब उन्होंने दो ट्वीट किया था- यह सच है। चकित होने के लिए तैयार रहो और रियल सर्जिकल स्ट्राइक।

इजरायल के संसदीय चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी के पोस्टर

तेल अवीव, प्रेट्र : इजरायल के चुनाव प्रचार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की धमक महसूस की जा सकती है। तेल अवीव शहर में स्थित सत्तारूढ़ लिकुड पार्टी के मुख्यालय भवन के बाहर लगे एक बड़े पोस्टर में पीएम मोदी अपने इजरायली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू के साथ हाथ मिलाते दिखाई दे रहे हैं। ऐसे ही दो अन्य पोस्टर क्रमशः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भी लगाए गए हैं। इजरायल में 17 सितंबर को चुनाव होने हैं।

पोस्टरों के जरिये नेतन्याहू ने भारतीय पीएम मोदी समेत विश्व के अन्य शक्तिशाली नेताओं के साथ करीबी दिखाते हुए खुद को इजरायल की राजनीति में अतुलनीय बताने की कोशिश की है। यह भी जताने का प्रयास किया है कि इजरायल की सुरक्षा के लिए वह कितने महत्वपूर्ण हैं और विश्वभर में उनकी स्वीकार्यता है। सबसे ज्यादा समय तक पीएम रहने वाले नेतन्याहू को चुनाव में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों में उनकी लिकुड पार्टी की स्थिति ठीक नहीं दिखाई गई है।

इजरायल में सितंबर में होने जा रहे आम चुनाव से पहले तेल अवीव शहर की इमारतों पर प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के पीएम नरेंद्र मोदी से हाथ मिलाते चुनावी बैनर लगाए गए हैं। एएफपी

हाएट्र्ज के स्तंभकार योसी वेर्टर ने एक लेख में लिखा कि नेतन्याहू मोदी के साथ तस्वीर साझा कर चुनाव में मदद की उम्मीद कर रहे हैं। यरुशलम स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय से कहा गया है कि वह भारतीय प्रधानमंत्री को निमंत्रित करे। उन्होंने ट्रंप व पुतिन की आलोचना करते हुए लिखा कि नेतन्याहू का समर्थन करने के लिए ही दोनों ने इजरायल को रियायत प्रदान की है।